Patrika (Indore), 26th May 2025, Page – 02

#IITIndore

दृष्टि-सीपीएस को मिला टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क का दर्जा, स्टार्टअप्स के लिए खुलेंगे रास्ते

डिजिटल हेल्थ केयर में आइआइटी इंदौर विकसित करेगा तकनीक

पत्रिका
सुरभि भावसार
patrika.com

इंदौर. डीप टेक और डिजिटल हेल्थ केयर के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आइआइटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन को 'टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क' का दर्जा मिला है। यह मान्यता भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीएसटी) ने नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लीनरी साइबर फिजिकल सिस्टम (एनएम आइसीपीएस) के तहत दी है, जो बड़ी उपलब्धि है। आइआइटी कानपुर (साइबर सुरक्षा), आइआइटी बेंगलूरु (रोबोटिक्स व ऑटोनॉमस नेविगेशन), आइआइटी धनबाद (खनन) के बाद आइआइटी इंदौर (डिजिटल हेल्थकेयर) टीटीआरपी उपाधि पाने वाला चौथा संस्थान है।

यह होता है टीटीआरपी

टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क में तैयार तकनीकों को समाज के लिए उपयोगी समाधान में बदला जाता है। यह संस्थान शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स और उद्योगों के लिए इनोवेशन टू मार्केट एक्सलेटर के रूप में काम करता है। अब दृष्टि सीपीएस में उन्नत अनुसंधान, स्टार्टअप्स, उद्योग और सरकारी संस्थाएं मिलकर डिजिटल हेल्थकेयर को नया आकार देंगे। इसका मुख्य फोकस ह्युमन डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म (चरक डीटी) को विकसित करना है।

'दृष्टि सीपीएस' ने दो साल में 14 हेल्थ टेक प्रोटोटाइप विकसित किए

दृष्टि सीपीएस के सीईओ आदित्य व्यास ने कहा, लक्ष्य है कि हम चरक डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म को इतना सक्षम बनाएं कि भारत में हर नागरिक को किफायती, सटीक और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवा मिल सके। प्रयास है कि डिजिटल हेल्थकेयर को एकीकृत और मानकीकृत बनाएं। दृष्टि सीपीएस ने 2022-24 के बीच 14 हेल्थ टेक प्रोटोटाइप विकसित किए।

टीटीआरपी में होंगे नवाचार

- एआइ आधारित स्मार्ट डायग्नोस्टिक्स और टेलीमेडिसिन समाधान।
- स्मार्ट पहनने योग्य उपकरण से स्वास्थ्य निगरानी।
- एडवांस्ड मेडिकल उपकरणों का निर्माण और रेगुलेटरी अप्रूवल।
- क्लाउड आधारित हेल्थ डाटा एनालिटिक्स।
- इंटरनेट ऑफ मेडिकल थिंग्स आधारित रोगी-केंद्रित समाधान।
- उद्योगों और अस्पतालों के साथ रणनीतिक साझेदारी।

डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार का ग्लोबल आर एंड डी

दृष्टि सीपीएस स्वास्थ्य तकनीकों के नैदानिक परीक्षण, उपकरणों का विनिर्माण और डिजिटल समाधान जैसे टेलीमेडिसिन, एआइ डाइग्नोस्टिक टूल्स को उद्योगों व अस्पतालों के साथ मिलकर विकसित करेगा। प्रमुख टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म चरक डिजिटल ट्विन स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण में गेम चेंजर साबित हो रहा है। इसमें हर व्यक्ति का डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार होता है। डेटा एनालिटिक्स, एआइ व आइओएमटी से भविष्य में होने वाली बीमारियों का पता लगाने और डॉक्टर, अस्पताल आदि डिजिटल नेटवर्क से जुड़ते हैं।

बदलाव के केंद्र में होंगे ये 5 प्रमुख क्षेत्र

1- **स्मार्ट वियरेबल्स :** पहनने योग्य डिवाइसों से ब्लड प्रेशर, ईसीजी, शुगर मॉनिटरिंग जैसी सेवाएं।

2- **एआइ डाइग्नोस्टिक :** एक्सरे- एमआरआइ जैसे स्कैन का तेज और सटीक विश्लेषण।

3- **टेलीमेडिसिन टूल्स :** ग्रामीण भारत तक गुणवत्ता वाली डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं।

4- **मेडिकल डिवाइस डेवलपमेंट :** मेड इन इंडिया उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण।

5- **डाटा ड्रिवन ट्रीटमेंट मॉडल्स :** हर रोगी के लिए वैयक्तिकृत उपचार योजना।

स्टार्टअप्स के लिए भी खुले नए रास्ते

दृष्टि सीपीएस पहले से ही 20 से ज्यादा हेल्थ टेक स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी कर रहा है। टीटीआरपी बनने के बाद यहां कई नए रास्ते खुलेंगे, जैसे...

- इंक्यूबेशन स्पेस
- टेक्निकल मेंटरशिप
- क्लिनिकल वेलिडेशन सपोर्ट
- आइपीआर और रेगुलेटरी गाइडेंस
- फंडिंग लिंकेजेस भी उपलब्ध कराए जाएंगे।